an>

Title: Need to check menace of wild elephants in Chhattisgarh.

श्री विक्रम उसेंडी (कांकेर): महोदया, आपने मुझे शून्य काल में बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूँ। छत्तीसगढ राज्य में हाथियों का बड़ा आतंक मचा हुआ है। छत्तीसगढ राज्य में सरगुजा वन ब्रिज के अन्तर्गत जसपुर, उत्तरी-दक्षिणी सरगुजा, बैकुंठपुर, कोरिया और बिलासपुर वन मंडल में रायगढ़, धर्मजयगढ़, कोरबा इत्यादि वन मंडल के अनेक ग्रामों में हाथियों का बड़ा आतंक है। 1990 के दशक में हाथी बिहार, झारखंड, उड़ीसा से वहाँ पहुँचकर रहते थे और वापस चले जाते थे, लेकिन वर्तमान में वहाँ उनका स्थायी डेरा बना हुआ है। वे वहाँ पर किसानों की फसलों को पूरा नुकसान पहुँचा रहे हैं। चाहे गन्ना हो, चाहे धान हो, वे उसे नुकसान पहुँचा रहे हैं। इसके साथ-साथ वे किसानों के मकानों को भी नष्ट कर रहे हैं, क्योंकि, उनमें धान रखा रहता है। उसका मुआवजा भी किसानों को नहीं मिल पा रहा है। किसानों की फसल को हो रहे नुकसान को बचाने के लिए वहाँ पर सोलर फेन्सिंग की व्यवस्था किसानों के खेतों में की जाए। वहाँ फॉरेस्ट एरिया में एलिफेन्ट कॉरिडोर का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। यह प्रस्ताव अभी तक लम्बित है।

महोदया, मैं आपके माध्यम से माननीय वन मंत्री जी का ध्यान आकर्षित करना चाहूँगा कि उस क्षेत्र में किसानों को हो रहे नुकसान को रोकने की व्यवस्था की जाए और हाथियों के लिए प्रबन्ध किया जाए। वहाँ पर सैंकड़ों लोगों की हाथियों के हमले में मृत्यु हो चुकी है। उन्हें उचित मुआवजा दिया जाना चाहिए।